॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

नित्य कर्म - पाठमाला

संकटमोचन संतानोत्पत्ति विधि

तथा

देवपूजा-विधि सहित

सचित्र भाषा टीका सहित

★

संग्रहकर्त्ता :—

पंचागकर्त्ता—पं० गौरीशंकर ज्योतिषी

आयुर्वेदाचार्य (रजिस्टर्ड उ० प्र०) मथुरा (ब्रजधाम)

昭和46年度科学研究費購入図書
東外大・東洋文化研
寄贈
合同海外学術調査団
氏

★

प्रकाशक :—

नव भारत पुस्तकालय, माता गली, मथुरा।

तृतीय बार १९७०]

[मूल्य ४)

★

प्रकाशक :

भीकचन्द वार्ष्णेय

नवभारत पुस्तकालय,
माद्रा गली, मथुरा।

★

तीसरा संशोधित संस्करण

सर्वाधिकार प्रकाशक के अधीन

156875
17.3.81

★

मुद्रक :

धर्मपाल गुप्ता

गुप्ता फाइन आर्ट प्रिन्टर्स,

मथुरा

विषय सूची

मगलाचरण १
षटकर्मनामा १
प्रातः काल उठना १
प्रातः कर दर्शन २
भूमिस्पर्श एवं प्रातः स्मरण ३
सूर्य तुलसी गौ प्रार्थना ५
शौच दन्त विधि धावन विधि ६
दन्त धावन प्रमाण, दिशा ६
क्षौर, तैल, स्नान का महत्व ७
स्नान के पहले का संकल्प १०
तीर्थ आवाहन १०
स्नानाङ्ग तर्पण ११
शिखा वंधन भस्म धारण १५
तिलक चन्दन धारण मन्त्र १५
त्रिपुण्ड, यज्ञो० विधि १६
यज्ञो० कुशा की महत्ता १७
कुशा और वर्हिका भेद १८
ग्राह्य कुश, जपने की विधि १९
जपभेद स्थान भेद २०
माला २१
आचमन २२
सध्या विधि २३
गायत्री शापविमोचन ३३
गायत्री ध्यान ३५
गायत्री हृदय ३५
जप को मुद्रायें ३६
गायत्री मन्त्र ४१
जप की मुद्रायें ४२
गायत्री कवच ४३
गायत्री तर्पण ४४
सूर्य प्रदक्षिणा ४५
गायत्री विसर्जन भ० ४६
मध्यापन संध्या ४७
पंच महायज्ञ एवं तर्पण ४८
सूर्योपस्थान ५९
समर्पण ब्रह्मयज्ञ ६०
देव पूजा की बात ६४
गृहे देवता प्रतिमा विचार ६५
देव पूजन ६७
स्वस्तिवाचन (शान्ति पाठ) ६८
पूजन विधान ६९
संकल्प ७१
रक्षाविधान ७२
वरुण पूजा ७३
विनयोगन्यासौ ७४
पंचागन्यास करन्यास ७५
गणेश पूजन ७५
ब्राह्मण वरण ८२
पुण्याह वाचन ८३
अभिषेक मन्त्र ८६
षोडस मात्रिका ९०
चतुःषष्टि योगिनी पूजा ९१
नवग्रह पूजा ९१
पंचलोक पाल पूजन ९४
दश दिकपाल पूजन ९५
सालिग्राम पूजन ९७
आरती १०५
भगवत् स्तुति १०५

पुष्पांजली	१०८	आदित्य हृदय स्तोत्र	१६४
प्रदक्षिणा क्षमा याचना	१०९	श्री सूक्त	१६६
आचार्य पूजन तिलक	१०९	नवग्रह स्तोत्र	१६९
यजमान तिलक आशि०	११०	तान्तिक देवी पूजा	१७०
अष्टाङ्गतीर्थ (चरणामृत)	१११	शीतलाष्टक	१७२
शिविगण पत्न्यादि पूजन	११३	चाक्षुषोपनिषद	१७४
प्रार्थना	११४	अथ संतान गोपाल मन्त्र	१७५
शिव पाद्यादि	११५	अथ पुत्र प्रदाभि०	१८१
अभिषेकादि	११७	अथ ऋण० मंगलव्रत वि०	१८४
शिवजी की आरती	१२३	श्री हनुमत्स्तुति	१८९
पुष्पान्जलि प्रदक्षिणा	१२६	अन्नपूर्णा स्तुति	१८९
पार्थिव शिव पूजन	१२७	पीपल स्तुति	१८९
दुर्गा पूजन	१३१	तुलसी स्तुति	१९०
कलस स्थापन	१३२	वलिवैश्वदेव	१९०
देवीध्यान पूजनादि	१३६	देवयज्ञ	१९१
दुर्गाजी की आरती	१४०	मण्डल में	१९२
देवी प्रार्थना	१४१	पितृयज्ञ	१९४
महालक्ष्मी पूजन	१४२	मनुष्य यज्ञ	१९४
मषीपात्र लेखनी पूजा	१४७	श्राद्ध विधि	१९५
सरस्वती कुवेर पूजन	१४८	श्राद्ध	१९६
यन्त्र १५ पूजन	१४८	गन्धादि	१९८
दीपावली पूजन	१५०	पाक का संकल्प	१९८
महालक्ष्मी आरती	१५०	कैसे पात्र में भोजन करे	२०१
भूदेव (आचार्य) पूजा	१५१	भोजन के समय की बातें	२०१
देवविं० हरि० मा० पू०	१५२	भोजनात्पूर्वभक्षणो न दोष	२०२
संकट गणेश स्तोत्र	१५३	भोजन विधि	२०३
श्रीमहालक्ष्माष्टक	१५४	अपोशांन	२०३
श्रीगङ्गाष्टक	१५५	सायं-दीप स्तुति	२०३
विष्णुशत नाम स्तोत्र	१५७	शयन विधि	२०३
शिव महम्नि स्तोत्र	१५८		

॥ श्री गणेशायनमः ॥

❀ नित्यकर्म-पाठमाला ❀

[देव-पूजा विधि सहित]

॥ मंगलाचरण ॥

येनोत्पाटय समूल मन्दर गिरिम् छत्रीकृतोगोकुले ।
राहुर्येन महाबलो सुररिपुः कायार्धशीर्षी कृता ॥
कृत्वा त्रीणि पदानि येन वसुधा बद्धोबलीलीलया ।
सत्वां पातु युगे युगे युगपति त्रिलोक्य नाथो हरिः ॥१॥

—+—

अथोच्यते गृहस्थस्य नित्यकर्म यथाविधि ।
यत्कृत्वाऽनृण्यमाप्नोति दैवात्पैत्र्याच्च मानुषात् ॥

उन सद् नित्य कर्मों को यथा विधि लिखते हैं जिनका नियमित व्यवहार करने से ही गृहस्थ जन देव, ऋषि और पितृ ऋण से मुक्त होकर परमानन्द को प्राप्त हो सकता है । आश्वलायन गृह्य सूत्र में लिखा है ।

षट् कर्मनाम

स्नानं संध्या जपश्चैव देवतानाञ्च पूजनम् ।
वैश्वदेवं तथाऽतिथ्यं षट् कर्माणि दिने दिने ॥

१ स्नान, २ संध्या वन्दन, ३ गायत्री जप, ४ देव पूजा, ५ बलि वैश्वदेव, ६ आतिथ्य ।